DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI TUESDAY, NOVEMBER 29, 2022 --------DATED----------

Najafgarh drain likely to be cleaner by January 15

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: In what could prove to be a significant breakthrough in the rejuvenation of Najafgarh drain, 32 untreated feeder drains carrying sewage into it will be completely intercepted and their flow diverted to nearby sewage treatment plants (STPs) early next year.

According to officials, the move will pave the way for a cleaner Yamuna. With 122 drains discharging sewage into it, the 57km-long Najafgarh drain is the biggest polluter of the river.

The irrigation and flood control department said of the 32 feeder drains, five under MCD have already been trapped and sewage-ridden discharge from the remaining 27 will be stopped by January 15, 2023. Interception of these drains, claimed an official, would prevent nearly 25% of the total sewage discharge into Najafgarh drain and prove to be a crucial step in turning it into a clean water body.

According to officials, the rejuvenation of Najafgarh drain has been a focus area of the LG, who has held a series of meetings involving multiple civic agencies

Recently, the department had presented a detailed report to lieutenant governor VK Saxena in this regard.

The 32 drains, belonging to different agencies like DJB, MCD, PWD, DDA and DMRC, flow into the Najafgarh drain between the 7.5km stretch from Timarpur to Bharat Nagar. This is part of the 12km stretch from Timarpur to Basai Darapur that will be developed as a waterway for operation of passenger and goods boats in the coming months under the personal supervision of Saxena.

According to officials, the rejuvenation of Najafgarh drain has been a focus area of the LG, who has held a series of meetings involving multiple civic agencies and undertaken several visits and boat rides in the drain in the past five months to monitor desilting operations and overall cleaning of the drain.

Putting in place a comprehensive plan of action that is cost-effective and environmentally sustainable, Saxena has ensured seamless coordination between various departments of the government.

Desilting of Najafgarh drain, meanwhile, is going on at a fast pace. Nearly 20,000 metric tonnes of silt have been removed in over a month. On the LG's instructions, a desilting monitoring centre has been set up near Timarpur bridge. A similar centre, being established at Bharat Nagar, will be operational by December 15.

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली। मंगलवार, 29 नवंबर 2022

15 जनवरी तक रोक दिए जाएंगे नजफगढ़ ड्रेन में गिरने वाले 32 नाले

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के सबसे प्रदूषित नाले नजफगढ़ ड्रेन में गिरने वाले 32 नालों को रोकने का काम 15 जनवरी 2023 तक पूरा हो जाएगा। इस काम के पूरा होने के बाद यमुना में जाने वाली गंदगी पर भी लगाम लग जाएगी। इससे यमुना साफ करने में मदद मिलेगी। इन 32 नालों को इंटरसेप्ट कर उन्हें पास के एसटीपी की तरफ मोड़ा जाएगा। एसटीपी की मदद से नालों से गंदगी अलग की जाएगी। एसटीपी से आए साफ पानी को सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार नजफगढ़ ड्रेन में गिर रहे ये 32 नाले दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, डीडीए और डीएमआरसी के हैं। ये नाले तिमारपुर से भरत नगर के बीच बह रहे नजफगढ़ ड्रेन के 7.5 किलोमीटर हिस्से में गिरते हैं। यह हिस्सा तिमारपुर से बसई दारापुर के 12 किलोमीटर के स्ट्रैच का हिस्सा है, जहां आने वाले समय में एलजी वीके सक्सेना ने नाव चलाने के लिए वॉटर वे डिवेलप करने को कहा है। यहां पर सवारी नावों के साथ माल वाहक नाव भी चलेंगी। मिली जानकारी के अनुसार इन 32 नालों में से एमसीडी ने पांच नालों को रोक भी लिया है। बाकी बचे नालों को 15 जनवरी 2023 से पहले नजफगढ़ ड्रेन में गिरने से रोक लिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से नजफगढ़ नाले में जा रही 25 प्रतिशत सीवेज और गंदगी कम हो जाएगी।

यमुना में जाने वाली गंदगी पर भी लगेगी लगाम

अधिकारियों के अनुसार तिमारपुर से माल रोड ब्रिज के बीच नजफगढ़ नाले के दो किलोमीटर हिस्से में सफाई का काम पूरा हो चुका है। बाकी बचे हिस्से में यह तेजी से किया जा रहा है। बाकी बचे 5.5 किलोमीटर के स्ट्रैच की सफाई का काम 15 जनवरी 2023 तक खत्म हो जाएगा।

हिन्दुस्तान

सीधे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में जाएगा 32 नालों का पानी

कवायद

नई दिल्ली प्रमुख संवाददाता। अगले साल जनवरी से 32 नालों का पानी नजफगढ़ नाले में नहीं गिरेगा। इन नालों का पानी सीधे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाएगा। जहां से शुद्धीकृत पानी का इस्तेमाल पार्कों-उद्यानों आदि की सिंचाई में किया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यमुना के पानी को साफ करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए तैंतीस नालों के पानी को नजफगढ़ नाले में गिरने से रोकने पर काम किया जा रहा है। इसके लिए 15 जनवरी 2023 तक की तारीख तय की गई है। नजफगढ़ नाले में तिमारपुर से भारत नगर के बीच के हिस्से में गिरने वाले इन 32 नालों की जिम्मेदारी दिल्ली जल बोर्ड, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, डीडीए और डीएमआरसी जैसे अलग-अलग विभागों के पास है।

नजफगढ़ नाले में गिरने वाला 25 फीसदी सीवेज इन्हीं नालों के जरिए आता है। इसलिए माना जा रहा है कि इन नालों के सीवेज को एसटीपी में पहुंचाने से नजफगढ़ नाले को साफ करने में कामयाबी मिलेगी। उप राज्यपाल ने नजफगढ़ नाले को साफ करने के लिए निर्देश दिए थे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NEW DELHI | TUESDAY, 29 NOVEMBER, 2022 ----------DATED

32 feeder drains flowing into Najafgarh drain to be tapped by January 15

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Thirty-two feeder drains flowing into the Najafgarh drain will be completely intercepted and their sewage diverted for treatment by January 15, officials said on Monday. The 57-km Najafgarh drain is the largest drain in Delhi and accounts for around 60 per cent of the wastewater discharged from the national capital into the Yamuna.

The 32 feeder drains, belonging to different agencies such as the Delhi Jal Board, Municipal Corporation of Delhi, Public Works Department and the Delhi Development Authority, flow into the Najafgarh drain in the 7.5-km stretch between Timarpur and Bharat Nagar.

It is part of the 12-km stretch from Timarpur to Basai Darapur, which will be developed as a waterway for operation of passenger and goods boats in the coming months under the supervision of Lieutenant Governor VK Saxena, an official said.

The interception of the 32 drains is a crucial step in developing Najafgarh drain into a clean water body. Officials said the 2-km stretch of the Najafgarh drain from Timarpur to Mall Road Bridge had been completely cleaned and the works upstream were progressing fast.

अमर उजाला

नजफगढ़ ड्रेन का होगा कायाकल्प, 12 किमी में विकसित होगा जलमार्ग

अमर उजाला ब्यूरो

जलमार्ग में चलेंगी यात्री और मालवाहक नौकाएं जनवरी में होगा ट्रायल

दो केंद्रों से गाद और सीवेज की होगी निगरानी

नजफगढ़ ड्रेन से गाद निकालने का काम तेजी से चल रहा है। अब तक 20,000 मीट्रिक टन गाद को हटाया गया है। एलजी के निर्देश पर डी-सिल्टिंग की निगरानी के लिए तिमारपुर पुल के नजदीक निगरानी केंद्र स्थापित किया गया है। भारत नगर में दूसरे केंद्र का भी 15 दिसंबर तक संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। जनवरी तक नजफगढ़ ड्रेन का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके तहत नजफगढ़ ड्रेन में प्रवाहित होने वाले पीडब्ल्यूडी, डीडीए और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के नालों को तिमारपुर से बसई दारापुर के बीच 12 किमी क्षेत्र को नए सिरे से जलमार्ग के तौर पर विकसित किया जाएगा। एलजी की देखरेख में यात्री और मालवाहकों (नावों और क्राफ्ट) का जलमार्ग पर परिचालन किया जाएगा। इसके लिए 32 नालों 15 जनवरी तक बहने से रोक दिए जाएंगे। इनमें नगर निगम के पांच नालों के सीवेज पहले ही रोक दिए गए हैं ।

यमुना में बहने वाले 32 नालों के अनुपचारित सीवेज युक्त प्रवाह को नजदीकी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में भेजने के लिए रोका जा रहा है। उपचार के बाद पानी का बागवानी में इस्तेमाल किया जाएगा। 32 फीडर ड्रेन दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी सहित दूसरी एजेंसियों से संबंधित हैं। तिमारपुर से मॉल रोड के बीच 2 किमी के हिस्से को साफ कर दिया गया है। 5.5 किमी के शेष हिस्से की सफाई (माल रोड ब्रिज से भारत नगर) तक का काम भी 15 जनवरी तक पूरा हो जाएगा। 32 नालों के बाद शेष 18 नालों के अवरोधन का काम किया जाएगा।

25 फीसदी प्रदूषक यमुना में प्रवेश करने से पहले रोके जाएंगे : 32 नालों के रुकने से नजफगढ़ ड्रेन में सीवेज के प्रवेश को करीब 25 फीसदी तक रोका जा सकेगा। एक स्वच्छ जल निकाय के रूप में विकसित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम होगा। हाल ही में एलजी के समक्ष संबंधित विभागों की तरफ से दी गई प्रस्तुति में ये बातें सामने आईं। नजफगढ़ नाले का कायाकल्प एलजी की प्राथमिकता रही है। पांच महीने में बैठकें आयोजित की गईं और इस दौरान नाव की सवारी कर नालों से गाद निकालने और सफाई की निगरानी भी की।

नजफगढ़ ड्रेन बना यमुना का सबसे बड़ा प्रदूषक : पुनरोत्थान पर खर्च और पर्यावरण के लिहाज से जरूरी मानकों को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार की गई है। एलजी के निर्देश पर डीडीए, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के बीच बेहतर समन्वय से कार्यों में तेजी आई है। 57 किमी लंबे इस क्षेत्र में बहने वाले 122 नालों से सीवेज का यमुना में प्रवाह हो रहा था। इस वजह से नजफगढ़ ड्रेन, यमुना नदी का सबसे बड़ा प्रदूषक बन गया है।